

वर्ष 2024-25 के लिए चल रही परियोजनाएं (पीआई के रूप में संस्थान)

1. एआईबी 03006सीआई: भारत और उज्बेकिस्तान के समशीतोष्ण क्षेत्रों में शहतूत और रेशमकीट प्रजनन में सुधार पर भारत-उज्बेकिस्तान सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना।
2. PIE 03012SI: शहतूत दैहिक संकर का मूल्यांकन
3. PIC 03014SI: इन विट्रो उत्परिवर्तन के माध्यम से समशीतोष्ण क्षेत्र के लिए बेहतर शहतूत किस्मों का विकास।
4. पीआईई 030016 एसआईसी: कश्मीर घाटी की समशीतोष्ण परिस्थितियों में नव विकसित शहतूत संकर का प्राथमिक उपज परीक्षण (पीवाईटी)।
5. PIE03009SI: जम्मू की उपोष्णकटिबंधीय परिस्थितियों में उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार के लिए शहतूत जीनोटाइप का मूल्यांकन
6. उत्तरी भारत की उपोष्णकटिबंधीय परिस्थितियों में उच्च उपज देने वाली गुणवत्ता वाली शहतूत (मोरस प्रजाति) जीनोटाइप का विकास ।
7. पीआईई 03015 एसआईसी: जम्मू क्षेत्र में वर्षा आधारित रेशम उत्पादन के लिए प्रारंभिक उपज परीक्षण के माध्यम से सूखा सहिष्णु शहतूत जीनोटाइप का मूल्यांकन

वर्ष 2024-25 के लिए चालू परियोजनाएं (सीआई के रूप में संस्थान)

1. PIE13001MI: शहतूत के लिए अखिल भारतीय समन्वित प्रायोगिक परीक्षण (AICEM) - चरण-IV
2. MTL 01025MI: शहतूत रेशम का जीवन चक्र मूल्यांकन: एक राष्ट्रीय मूल्यांकन
3. ARE01028MI: शहतूत के लिए नवीन कवकनाशी और कीटनाशक अनुप्रयोगों की सिफारिशें।
4. AIB 02019MI: मार्कर सहायता प्राप्त चयन के माध्यम से उच्च उत्पादकता और उच्च तापमान और आर्द्रता सहनशीलता के साथ बाइवोल्टाइन संकर का विकास
5. एमटीएस13002एमआई: भारत में शहतूत रेशम उत्पादन प्रौद्योगिकियों का प्रभाव मूल्यांकन
6. बिबोल्टाइन संकर के विकास के लिए जापानी रेशमकीट आनुवंशिक संसाधनों का उपयोग
7. MOE02022MIC: भारत में जलवायु परिवर्तन के प्रति रेशम उत्पादन की संवेदनशीलता
8. MOE 02015MI: घटक II- उच्च उपज और कम तापमान तनाव सहन करने वाली शहतूत किस्मों C-01 और C-11 का मूल्यांकन

वर्ष 2023-24 के दौरान संपन्न परियोजनाएं

1. AIB03007SI: जम्मू और कश्मीर के समशीतोष्ण क्षेत्र के लिए उपयुक्त शरद ऋतु विशिष्ट द्विवोल्टाइन रेशमकीट बॉम्बिक्समोरी एल. का विकास।
2. MOE03010SI: उत्तर एवं उत्तर-पश्चिम भारत के लिए उन्नत शहतूत रेशमकीट संकर और प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन।
3. MOT03011MI: कारगिल (लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश) में शहतूत रेशम उत्पादन को लोकप्रिय बनाना
4. AIB03008SI: उत्तर-पश्चिम भारत की उपोष्णकटिबंधीय परिस्थितियों में द्विवोल्टाइन रेशमकीट, बॉम्बिक्समोरी एल. के पोषक संकर का विकास।